pUla [N3rnexnl SkUl
Aapka haaRk Svagt
krta hE

वसंत
भाग 3
कक्षा 8 के लिए
हिंदी की पाठ्यपुस्तक

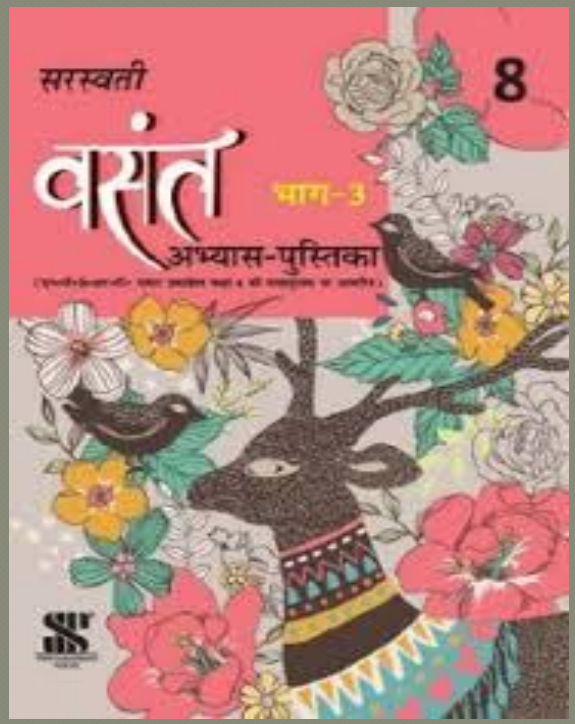
सरस्वती
8
वसंत
भाग-3
अभ्यास-पुस्तिका

1

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

जन्म : सन् 1897 ई०

मृत्यु : 15 अक्टूबर, 1961 ई०

जन्म स्थान:

बंगाल, महिषादल राज्य

काव्य-रचनाएँ: 'परिमल', 'गीतिका', 'अनामिका', 'तुलसीदास', 'कुकुरमुत्ता', 'अणिमा', 'अपरा', 'बेला', 'नये पत्ते', 'आराधना', 'अर्चना' आदि।

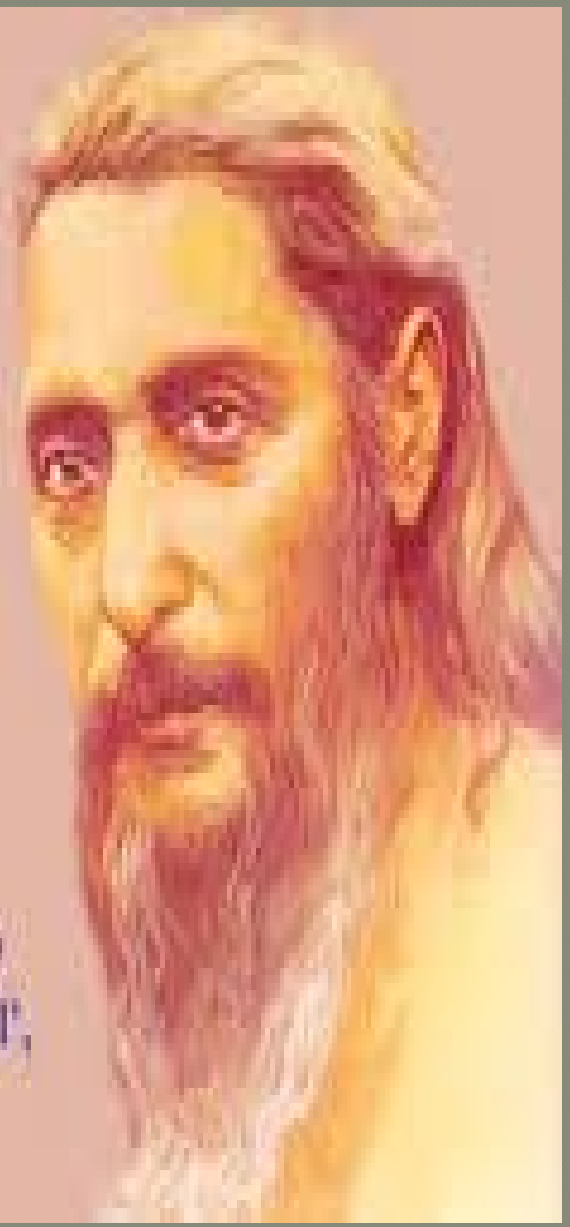

पाठ का सार

कवि मानते हैं कि अभी उनका अंत नहीं होगा। अभी-अभी उनके जीवन रूपी वन में वसंत रूपी यौवन आया है।कवि प्रकृति का वर्णन करते हुए कहते हैं कि चारों ओर वृक्ष हरे-भरे हैं,पौधों पर कलियाँ खिली हैं जो अभी तक सो रही हैं।कवि कहते हैं वो सूर्य को लाकर इन अलसाई हुई कलियों को जगाएँगे और एक नया सुन्दर सवेरा लेकर आएंगे। कवि प्रकृति के द्वारा निराश-हताश लोगों के जीवन को खुशियों से भरना चाहते है। कवि बड़ी तत्परता से मानव जीवन को संवारने के लिए अपनी हर ख़ुशी एवं सुख को दान करने के लिए तैयार हैं। वे चाहते हैं हर मनुष्य का जीवन सुखमय व्यतीत हो। इसिलए वे कहते है कि उनका अंत अभी नहीं होगा जबतक वो सबके जीवन में खुशियाँ नहीं लादेते।

1.अभी न होगा मेरा अंत
अभी-अभी ही तो आया है
मेरे वन में मृदु लवसंत –
अभी न होगा मेरा अंत।
अंत: समाप्ति
मृदु ल कोमल
वसंत: फूल खिलने की ऋतु

2. हरे-हरे ये पात,
डालियाँ, कलियाँ, कोमल गात।
मैं ही अपना स्वप्न – मृदु लकर
फेरूँगा निद्रित कलियों पर

जगा एक प्रत्यूष मनोहर।
पात: पत्ता
गात: शरीर
स्वप्न: सपना
मृदु लकर: हाथ
कलियों: थोड़ी खिली कलियाँ
प्रत्यूष: सवेरा
मनोहर: सुन्दर

3. पुष्प-पुष्प से तंद्रालस
लालसा खींच लूँगा मैं,
अपने नव जीवन का अमृत
सहर्ष सींच दूँगामैं
द्वार दिखा दूँगाफिर उनको।
हैं मेरे वे जहाँ अनंत –
अभी न होगा मेरा अंत।

पुष्प-पुष्प: फूल
तंद्रालस: नींद से अलसाया हुआ
लालसा: लालच
नव: नये
अमृत: सुधा
सहर्ष: ख़ुशी के साथ
सींच: सिंचाई
द्वार: दरवाज़ा
अनंत: जिसका कभी अंत न हो
अंत: खत्म

1. कवि को ऐसा विश्वास क्यों है कि उसका अंत अभी नहीं होगा?
उत्तर:- कवि को ऐसा विश्वास इसलिए है क्योंकि अभी उसके मन में नया जोश व उमंग है। अभी उसे काफ़ी नवीन कार्य करने है। वह युवा पीढ़ी को आलस्य की दशा से उबारना चाहते हैं।

---

2. फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि कौन-कौन-सा प्रयास करता है?
उत्तर:- फूलों को अनंत तक विकसित करने के लिए कवि उन्हें कलियों की स्थिति से निकालकर खिले फूल बनाना चाहता है। कवि का मानना है कि उसके जीवन में वसंत आया हुआ है। इसलिए वह कलियों को हाथों के वासंती स्पर्श से खिला देगा। वह फूलों की आँखों से आलस्य हटाकर उन्हें चुस्त व जागरूक करना चाहता है।

---

3. कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए क्या करना चाहता है?
उत्तर:- कवि पुष्पों की तंद्रा और आलस्य दूर हटाने के लिए उन पर अपना हाथ फेरकर उन्हें जगाना चाहता है। वह उनको चुस्त, प्राणवान, आभावान व पुष्पित करना चाहता है।
अतः कवि नींद में पड़े युवकों को प्रेरित करके उनमें नए उत्कर्ष के स्वप्न जगह देगा, उनका आलस्य दूर भगा देगा तथा उनमें नये उत्साह का संचार करना चाहता है।

---

4. वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है? आपस में चर्चा कीजिए।
उत्तर:- वसंत को ऋतुराज कहा जाता है क्योंकि यह सभी ऋतुओं का राजा है। इस ऋतु में प्रकृति पूरे यौवन होती है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। इस समय पंचतत्व अपना प्रकोप छोड़कर सुहावने रूप में प्रकट होते हैं। पंचतत्व जल, वायु, धरती, आकाश और अग्नि सभी अपना मोहक रूप दिखाते हैं। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। आम बौरों से लद जाते हैं और खेत सरसों के फूलों से भरे पीले दिखाई देते हैं। सरसों के पीले फूल ऋतुराज के आगमन की घोषणा करते हैं। खेतों में फूली हुई सरसों,पवन के झोंकों से हिलती, ऐसी दिखाई देती है, मानो, सामने सोने का सागर लहरा रहा हो। कोयल पंचम स्वर में गाती है और सभी को कुहू-कुहू की आवाज़ से मंत्रमुग्ध करती है। इस ऋतु में उसकी छठा देखते ही बनती है। इस ऋतु में कई प्रमुख त्यौहार मनाए जाते हैं, जैसे – वसंत पंचमी, महा शिवरात्रि, होली आदि।

---

5. वसंत ऋतु में आनेवाले त्योहारों के विषय में जानकारी एकत्र कीजिए और किसी एक त्योहार पर निबंध लिखिए।
उत्तर:- वसंत ऋतु में कई त्यौहार मनाए जाते है, जैसे – वसंत-पंचमी, महा शिवरात्रि, होली आदि।
होली हमारा देश भारत विश्व का अकेला एवं ऐसा अनूठा देश है, जहँ पूरे साल कोई न कोई त्योहार मनाया जाता है। रंगों का त्योहार होली हिंदुओं का प्रसिद्ध त्योहार है, जो फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है।

Printed from Vedantu.com. Score more in your Exams - Start learning from Best Tutors on Vedantu.
Book your free trial today - Call us at +91 92433 43344

पाठ परिचय

- ki#n xBd
- xBda4R
- pa#- sar
- p/Xno. ke]Ttr iliq0|
- Vyakr` ivwag
- leq n-bo2
- saPtaihk pir9a

भाषा

- **p/Ó wa8a ik sekhtehE**
-]: wa8a vh sa2n hEijs kema@ym semnt\y Apnemn kewavae0v. ivcaraekka Aadan -p/dan krta hE
- **p/ÔWaa8a keiktne+p hE kaE-kaE se?**
-]: wa8a kedae+p hE
- maEq k ,iliq t
- **p/Õbade I ik sekhtehE**
-]: iksI p/at kesbse7a8e se 9e5 mebade I jatI hE [sme saihTyk rcna0>nhI. haetI.|
- **p/Ö ilip ik sekhtehE**
-]: wa8a kI maEq k @vinyae kaeijn ichNaekedVara ilqa jata hE,]NheiIlip khtehE
- **p/× Vyakr` ik sekhtehE**
-]: vh xaS5, ijssewa8a kexd\2 +p AaE p/yaeg ka)an haeta hE,]seVyakr` khtehE

• **भाषा**–भाषा वह साधन है जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचार या भाव दूसरों के सामने प्रकट करता है और दूसरों के विचार या भाव समझता है।

• भाषा के दो रूप हैं–

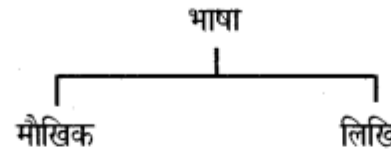

➢ **मौखिक भाषा**–मौखिक भाषा के माध्यम से बोलकर विचारों और भावों का आदान-प्रदान होता है।

➢ **लिखित भाषा**–लिखित भाषा द्वारा लिखकर विचारों और भावों का आदान-प्रदान होता है।

भारत में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। *जैसे*–हिंदी, संस्कृत, पंजाबी, उर्दू, कश्मीरी, बंगला, उड़िया, तेलुगु, असमी, सिंधी, गुजराती, मराठी, मलयालम, कन्नड़, तमिल।

संस्कृत भाषा से ही हिंदी भाषा का जन्म हुआ है। 14 सितम्बर, 1949 को हिंदी संविधान में भारत की राजभाषा स्वीकार की गई। भारत के अधिकांश हिस्सों में यह भाषा बोली और समझी जाती है। हिंदी मानक भाषा की पाँच उपभाषाएँ तथा अट्ठारह बोलियाँ हैं।

उपभाषा	बोली
1. पूर्वी हिंदी	अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी
2. राजस्थानी हिंदी	जयपुरी, मारवाड़ी, मेवाती, मालवी
3. पहाड़ी हिंदी	गढ़वाली, कुमाउँनी, हिमाचली
4. बिहारी हिंदी	भोजपुरी, मैथिली, मगही
5. पश्चिमी हिंदी	खड़ी बोली, हरियाणवी, कन्नौजी, ब्रजभाषा।

• **बोली**–बोली भाषा का क्षेत्रीय रूप होती है। भाषा व्याकरण पर आधारित होती है परंतु बोली नहीं। भाषा उच्च शिक्षा का माध्यम होती है परंतु बोली लोक साहित्य, लोक गीत एवं बोल-चाल तक सीमित रहती है।

• **लिपि**–भाषा को लिखने के लिए निर्धारित किए गए चिह्न लिपि कहलाते हैं। हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है।

• **व्याकरण**–व्याकरण वह विधा है जो हमें भाषा को शुद्ध रूप में पढ़ना, लिखना और बोलना सिखाती है।

वर्कशीट

वर्कशीट 1

❖ **शब्दों में उत्तर लिखिए–**

क. शुरू-शुरू में बच्चा अपनी बात कैसे करता है? पढ़कर / इशारों से / लिखकर
.....

ख. ट्रैफ़िक पुलिस यातायात का संचालन किस भाषा के प्रयोग से करते हैं?
लिखित / मौखिक / सांकेतिक
.....

ग. हिंदी भाषा किस भाषा से बनी है? संस्कृत / जर्मन / तेलुगु
.....

घ. भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान किसकी मदद से होता है? लिपि / व्याकरण / बोली
.....

❖ **किस राज्य में कौन-सी भाषा बोली जाती है? सही मिलान कीजिए–**

भाषा	**राज्य**
पंजाबी	केरल
बाँगला	महाराष्ट्र
मलयालम	पंजाब
तेलुगु	कर्नाटक
मराठी	पश्चिमी बंग
कन्नड़	आंध्रप्रदेश

❖ **अपनी मातृभाषा के अलावा किसी एक भाषा में यह वाक्य लिखिए–**

आप कैसे हैं? .....

नाम: ..... तारीख: .....

मूल्यांकन: ..... हस्ताक्षर: .....

भाषा	कहाँ बोली जाती है	भाषा	कहाँ बोली जाती है
हिन्दी	हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तरांचल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार।	कश्मीरी	जम्मू–कश्मीर
		तेलगू	आंध्र प्रदेश
		गुजराती	गुजरात
पंजाबी	पंजाब	असमी	असम
बँगला	पश्चिम बंगाल	मराठी	महाराष्ट्र
उड़िया	उड़ीसा	कन्नड़	कर्नाटक
तमिल	तमिलनाडु	कोंकणी	गोआ

प्र01 निम्नलिखित खाली स्थान भरिए:–

क) _____ को हिंदी भारत की राजभाषा स्वीकारी गई।

ख) भाषा के दो रूप हैं– _____ और लिखित।

ग) _____ छोटे क्षेत्र में बोली जाती है।

घ) बोलकर अपनी बात कहने को _____ भाषा कहते हैं।

ङ) _____ हिंदी भाषा की लिपि है।

च) मौखिक रूप को लिखने के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले चिह्नों को _____ कहते हैं।